मूल्यांकन योजना (प्रथम वर्ष)

क्र. सं.	प्रश्न पत्र	प्रश्न-पत्र का नाम	मूल्यांकन		
			बाह्य मूल्यांकन	आन्तरिक मूल्यांकन	योग
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	बच्चे और बचपन	70	30	100
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	शिक्षा के उद्देश्य, ज्ञान और पाठ्यचर्या	70	30	100
3.	तृतीय प्रश्न पत्र	भारतीय समाज और शिक्षा	70	30	100
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र	भाषा, संज्ञान और समाज, पाठ्यचर्या के संदर्भों में	35	15	50
5.	पंचम प्रश्न पत्र	हिन्दी भाषा-शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
6.	षष्टम प्रश्न पत्र	अंग्रेजी भाषा-शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
7.	सप्तम प्रश्न पत्र	गणित शिक्षण	60	40	100
8.	अष्टम प्रश्न पत्र	पर्यावरण अध्ययन शिक्षण	60	40	100
9.	नवम् प्रश्न पत्र	कला शिक्षण	20	30	50
10.	दशम् प्रश्न पत्र	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी	20	30	50
	योग		**525**	**325**	**850**
		विद्यालय अनुभव	**75**	**175**	**250**
	महायोग		**600**	**500**	**1100**

मूल्यांकन योजना (द्वितीय वर्ष)

क्र. सं.	प्रश्न पत्र	प्रश्न-पत्र का नाम	मूल्यांकन		
			बाह्य मूल्यांकन	आन्तरिक मूल्यांकन	योग
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	बच्चे और सीखना	70	30	100
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	विद्यालय संस्कृति, प्रबन्धन और शिक्षक	70	30	100
3.	तृतीय प्रश्न पत्र	आधुनिक विश्व में विद्यालयी शिक्षा	70	30	100
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र	हिन्दी भाषा-शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
5.	पंचम प्रश्न पत्र	अंग्रेजी भाषा-शिक्षण और प्रवीणता	60	40	100
6.	षष्टम प्रश्न पत्र	गणित शिक्षण	60	40	100
7.	सप्तम प्रश्न पत्र	तृतीय भाषा शिक्षण (संस्कृत/उर्दू, पंजाबी, गुजराती, सिंधी)	60	40	100
8.	अष्टम प्रश्न पत्र	स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षण	20	30	50
9.	नवम् प्रश्न पत्र	सामाजिक विज्ञान शिक्षण/ विज्ञान शिक्षण	60	40	100
		योग	**530**	**320**	**850**
		विद्यालय अनुभव	**75**	**175**	**250**
		महायोग	**605**	**495**	**1100**

पाठ्यक्रम (प्रथम वर्ष)

बच्चे और बचपन

प्रथम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, अतिरिक्त मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—70, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. बचपन **अंक-5**

स्वयं के बचपन के अनुभव—स्मरण एवं उनका विश्लेषण, बच्चों की छवि पर विमर्श—बाल साहित्य के संदर्भ में, बच्चों के साथ काम करने वाले चिन्तकों के विचारों से परिचय—गिजूभाई, जॉन हाल्ट, ए.एस.नील, विभिन्न समुदायों के बच्चों का बचपन।

इकाई 2. बचपन की संकल्पना **अंक-10**

बचपन की संकल्पना—ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं समय के साथ आए परिवर्तनों की समझ, आज के संदर्भ में बचपन को आकार देने वाले प्रमुख पहलुओं का विश्लेषण, बाल अधिकारों की समझ—संकल्पना का विकास व आज के परिदृश्य में बाल अधिकार, शिक्षा के मौलिक अधिकार: निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, राजस्थान में समेकित बाल संरक्षण योजना की कार्यरत संरचनाएँ, बाल अधिकारों के हनन को रोकने के लिए गठित समितियाँ।

इकाई 3. बाल विकास के परिप्रेक्ष्य **अंक-10**

बाल विकास की अवधारणा—विकास के विभिन्न आयाम, विकास के विभिन्न सिद्धान्त, विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक, विकास की विभिन्न अवस्थाएँ, विकास के संदर्भ में विभिन्न मत, परिवेश, पोषण एवं लालन-पालन, माता-पिता एवं संरक्षक निरन्तर एवं चरणबद्ध विकास, प्रारम्भिक एवं परवर्ती (बाद के) अनुभवों का प्रभाव।

इकाई 4. शारीरिक विकास **अंक-10**

वृद्धि एवं परिपक्वता—वृद्धि से आशय, परिपक्वता से आशय, गामक विकास—गामक विकास से आशय, गामक विकास की विशेषताएँ, गामक कौशलों का विकास, शारीरिक विकास—शारीरिक विकास के प्रमुख आधार, शारीरिक विकास की अवस्थाएँ, शारीरिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक।

इकाई 5. नैतिक एवं संवेगात्मक विकास **अंक-12**

भावनाओं एवं संवेगों का विकास—संवेग क्या हैं? प्रमुख संवेग, संवेग नियन्त्रण, संवेगों के विकास में कारकों की भूमिका, संवेगात्मक विकास के विभिन्न चरण एवं प्रक्रिया, संवेगात्मक विकास की अवस्थाएँ, लगाव का सिद्धान्त—लगाव से आशय, जॉन बॉल्बी का लगाव का

सिद्धान्त, लगाव के घटक, लगाव की विशेषताएँ, व्यक्तित्व—आत्म प्रत्यय/स्वयं, व्यक्तित्व विकास के निर्धारक, ऐरिक्सन का सिद्धान्त, नैतिक विकास—पियाजे का सिद्धान्त, कोहलबर्ग का सिद्धान्त, कैरोल गिलिगन की विवेचना।

इकाई 6. समाजीकरण **अंक-13**

समाजीकरण का आशय—समाजीकरण के प्रकार, समाजीकरण की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारक, समाजीकरण का पारिस्थितिक सिद्धान्त, समाजीकरण की विभिन्न संस्थाएँ—परिवार, विद्यालय, समुदाय, मित्रमण्डली, शिक्षक, मीडिया, स्पर्धा, सहयोग और आक्रामकता। जेण्डल की समझ—जेण्डल आधारित समाजीकरण की प्रक्रियाएँ, जेण्डर का विकास व प्रभावी कारक, समाजीकरण का अस्मिता के विकास पर प्रभाव—लिंग, धर्म, जाति, क्षेत्र आदि, विभिन्न परिस्थितियों में बचपन—अनाथालयों में, फुटपाथों पर, झुग्गी-झोंपड़ी में, कामकाजी बच्चे आदि, बच्चों पर विपरीत परिस्थितियों का प्रभाव—हिंसा, नशाखोरी, बाल प्रताड़ना, पारिवारिक मनमुटाव आदि, शिक्षक की अपेक्षाओं का विद्यार्थियों पर प्रभाव।

इकाई 7. बच्चों के अध्ययन के तरीके **अंक-10**

बच्चों के अध्ययन के तरीके—आवश्यकता एवं महत्त्व, अवलोकन विधि—अवलोकन के प्रकार, अवलोकन के चरण, अवलोकन की सीमाएँ, साक्षात्कार विधि—साक्षात्कार के प्रकार, साक्षात्कार की प्रक्रिया के चरण, जिन पियाजे की नैदानिक साक्षात्कार विधि (क्लीनिकल विधि), साक्षात्कार की सीमाएँ, विश्लेषणात्मक/चितंनात्मक प्रतिक्रिया लेखन (रिलेक्टिव जर्नल)—विश्लेषणात्मक/चितंनात्मक लेखन की प्रक्रिया के महत्त्वपूर्ण बिन्दु, चिन्तनशील/विश्लेषणात्मक चक्र, एनेक्डोटल/उपाख्यानाक अभिलेख—एनेक्डोटल अभिलेखों के प्रकार, एनेक्डोटल अभिलेखों के प्रारूप।

शिक्षा के उद्देश्य, ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

द्वितीय प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, अतिरिक्त मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—70, कालांश—140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. शिक्षा के अर्थ एवं उद्देश्य **अंक-08**

- ☐ शिक्षा के अर्थ एवं उद्देश्यों से परिचय—शिक्षा का अर्थ, शिक्षा की आवश्यकता क्यों? दर्शन का अर्थ एवं संकल्पना, शिक्षा और दर्शन से सम्बन्ध।
- ☐ ज्ञान की प्रकृति, स्वरूप एवं शिक्षा से सम्बन्ध—ज्ञान का अर्थ एवं प्रकृति, ज्ञान की कसौटियाँ, वास्तविक ज्ञान एवं शिक्षा में सम्बन्ध।
- ☐ शिक्षा के दर्शन के कुछ विचारणीय बिन्दु/पक्ष—विभिन्न दार्शनिक मतों का शिक्षा पर प्रभाव।

इकाई 2. विविध परम्पराओं में शिक्षा की अवधारणा **अंक-14**

- ❑ वैदिक एवं उपनिषदीय परम्पराएँ—वैदिक परम्परा, उपनिषदीय परम्परा
- ❑ बौद्ध एवं जैन परम्पराएँ—बौद्ध परम्परा, जैन परम्परा
- ❑ ईसाई, इस्लामी व सूफी परम्पराएँ—ईसाई परम्परा, इस्लामिक परम्परा एवं सूफी परम्परा
- ❑ प्राचीन यूनानी परम्परा (सुकरात, प्लेटो व अरस्तू)—सुकरात का शिक्षा दर्शन (470 ई.पू. से 399 ई.पू.), प्लेटो का शैक्षिक दर्शन (428 ई.पू. से 348 ई.पू.),अरस्तू का शैक्षिक मान्यता (348-322 ई.पू.)

इकाई 3. समसामयिक शैक्षिक चिन्तन-1 **अंक-13**

- ❑ समग्र (इंटीग्रल) व फ्री प्रोग्रेस—अरविन्द **घोष एवं मीरा अल्फसा**—शिक्षा दर्शन, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि, शिक्षक का स्थान।
- ❑ प्रकृति, कला, जीवन व शिक्षा का सम्बन्ध—रवीन्द्रनाथ **टैगोर**-शिक्षा दर्शन, पाठ्यक्रम, विद्यालय, शिक्षक एवं अनुशासन।
- ❑ श्रम, स्वावलम्बन, बुनियादी शिक्षा व नई तालीम—महात्मा **गाँधी**-शिक्षा दर्शन, स्वावलम्बन व शारीरिक श्रम, शिक्षक, शिक्षा का माध्यम: मातृभाषा, बुनियादी शिक्षा/नई तालीम, बुनियादी शिक्षा का पाठ्यक्रम।
- ❑ दलित शिक्षा—**डॉ भीमराव अम्बेकर**–शिक्षा का दर्शन व स्वरूप, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यचर्या, शिक्षक, शिक्षार्थी व अनुशासन।
- ❑ जीवन का तात्पर्य व मौलिक परिवर्तन (ट्रांस्फार्मेशन)—**जे.कृष्णमूर्ति**—शिक्षा का दर्शन व स्वरूप, शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षक एवं अनुशासन, विद्यालय।
- ❑ सर्वांगीण शिक्षा—विवेकानन्द—शिक्षा दर्शन, शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षण प्रक्रिया, शिक्षा का माध्यम, शिक्षा का स्वरूप, शिक्षक का स्थान।

इकाई 4. समसामयिक शैक्षिक चिन्तन-2 **अंक-13**

- ❑ उन्मुक्त बाल शिक्षा—**रूसो**—सामाजिक परिदृश्य, शिक्षा का स्वरूप, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण की विधियाँ, शिक्षक एवं शिक्षार्थी।
- ❑ सीखने में अनुभव का समावेश—**जॉन डीवी**—सामाजिक परिदृश्य, शिक्षा का स्वरूप, शैक्षिक दर्शन, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षक, शिक्षार्थी एवं अनुशासन।
- ❑ स्कूल की अवधारणा पर वैकिल्पक नजरिया—**इवान इलिच**—सामाजिक परिदृश्य, शैक्षिक दर्शन, शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षण की विधियाँ, शिक्षक, शिक्षार्थी एवं अनुशासन, विद्यालय।
- ❑ उत्पीड़ितों का शिक्षाशास्त्र—पाउलो **फ्रेरे**—सामाजिक परिदृश्य, शैक्षिक दर्शन, शिक्षण की विधियाँ, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध।
- ❑ व्यक्तित्व निर्माण में श्रम और सामूहिकता—**मकारेन्को**—सामाजिक परिदृश्य, शिक्षा का स्वरूप, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण की विधियाँ, शिक्षक एवं शिक्षार्थी।

इकाई 5. पाठ्यचर्या के दार्शनिक आधार अंक-10

- ❑ पाठ्यचर्या का अर्थ एवं उसकी व्यापकता—पाठ्यचर्या की अवधारणा, पाठ्यचर्या की प्रक्रिया तथा इसके सोपान, पाठ्यचर्या के विभिन्न पहलू।
  शिक्षा के उद्देश्य व पाठ्यचर्या में अन्तसम्बन्ध।
- ❑ पाठ्यचर्या के निर्धारक तत्त्व—पाठ्यचर्या निर्माण में निहित मूल मान्यताएँ व सिद्धान्त, पाठ्यचर्या के आधार।
- ❑ प्रत्यक्ष व परोक्ष पाठ्यचर्या—प्रत्यक्ष/वास्तविक पाठ्यचर्या, छुपी/परोक्ष पाठ्यचर्या, पाठ्यचर्या के विभिन्न स्वरूपों में सम्बन्ध, पाठ्यचर्या निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक।
- ❑ पाठ्यचर्या निर्धारण के विभिन्न स्तर

इकाई 6. सीखने व मूल्यांकन के दार्शनिक आधार अंक-12

- ❑ सीखने का तात्पर्य एवं विभिन्न तरीके—सीखने के तात्पर्य का दार्शनिक आधार, सीखने के विभिन्न तरीके।
- ❑ मूल्यांकन, मापन, आकलन की समझ—सीखने के सदर्भ में—मूल्यांकन और मापन की अवधारणा, आकलन (आकलन क्या, किसका, कैसे), आकलन सम्बन्धी सूचनाओं का इस्तेमाल, मूल्यांकन/आकलन में बदलाव का आधार।
- ❑ आकलन के विभिन्न तरीके—स्व-आकलन, समूह आकलन, सहपाठियों द्वारा आकलन, व्यक्तिगत आकलन बच्चों को किसी कक्षा में नहीं रोके जाने का औचित्य, सामाजिक स्तरीकरण में मूल्यांकन की भूमिका
- ❑ शिक्षक की जवाबदेही व शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का मूल्यांकन—बच्चों के मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक की जवाबदेही, शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का मूल्यांकन, मूल्यांकन के परिणामों का आधार पर शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में सुधार के प्रमुख क्षेत्र।
- ❑ सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा—सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के महत्त्वपूर्ण पदों की अवधारणा—सततता, व्यापकता, आकलन, मूल्यांकन, सी.सी.ई. आवश्यकता एवं महत्त्व, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया एवं उपयुक्त शब्दावली।

भारतीय समाज और शिक्षा

तृतीय प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, अतिरिक्त मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—70, कालांश—140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. भारतीय समाज में विविधता, असमानता व भेदभाव अंक-15

- ❑ समाज में विविधता—(रंग-रूप, संस्कृति, भाषा, धर्म) विविधता का महत्त्व और चुनौती।

- ❑ राजस्थान में विविधता, बचपन में विविधता, विविधता-संसाधन भी और चुनौती भी। विविधता, विषमता, भेदभाव और बहिष्कार—अवसर एवं वंचना, बहिष्कार एवं शोषण, सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप
- ❑ सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त (मार्क्स और वेबर)—सामाजिक स्तरीकरण के बारे में मार्क्स, सामाजिक स्तरीकरण के बारे में वेबर।

इकाई 2. शिक्षा की चुनौतियाँ—अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति **अंक-15**

- ❑ जाति व्यवस्था और दलित शिक्षा—वर्ण और जाति, जाति व्यवस्था में निरन्तरता एवं परिवर्तन, दलित समुदाय और शिक्षा।
- ❑ जनजातीय समुदाय—जनजातीय समुदायों का क्षेत्रीय विस्तार, जनजाति और मुख्यधारा, जनजातीय शिक्षा की समस्याएँ और योजनाएँ।

इकाई 3. जेंडर, बालिका शिक्षा, निर्धन वर्ग एवं अल्पसंख्यक—शिक्षा की चुनौती **अंक-15**

- ❑ जेंड़र और पितृसत्ता की समझ—जेंडर क्या है, जेंडर का समाजीकरण, पितृसत्ता, बालिका शिक्षा, चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ।
- ❑ गरीबी और शिक्षा—बालमजदूरी और पलायन की समस्या, अल्पसंख्यक समुदाय और शिक्षा।

इकाई 4. संवैधानिक उद्देश्य और मौलिक अधिकार **अंक-10**

- ❑ भारतीय संविधान की प्रस्तावना और उसकी विवेचना—भारत को एक गणराज्य के रूप में स्थापित करना, भारत के लोगों को न्याय, स्वतंत्रता और समता प्राप्त कराने तथा अपस में बन्धुता बढ़ाने के लिए, भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार—समता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, संवैधानिक उपचारों का अधिकार, एक तुलना-दक्षिण अफ्रीका और भारत, भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्य, भारत का संघीय ढाँचा तथा शिक्षा व्यवस्था—संघीय शासन व्यवस्था, भारत में संघीय व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी, संविधान में भाषा और राज भाषा।

इकाई 5. औपनिवेशिक काल में शिक्षा का इतिहास **अंक-15**

अंग्रेजी शासन से पूर्व देश में शैक्षिक व्यवस्था, शिक्षा नीति पर बहस-मैकाले और प्राच्यवादी, आधुनिक शिक्षा का प्रसार—भारतीयों की भूमिका, हंटर कमीशन और दलित शिक्षा के मुद्दे, स्वतंत्रता के समय तक शिक्षा का विस्तार और प्रभाव।

इकाई 6. औपनिवेशिक शिक्षा की समालोचना और वैकल्पिक प्रयोग

आर्य समाज : आँग्ल वैदिक विद्यालय तथा गुरुकुल कांगड़ी—दयानन्द एँग्लो—वैदिक स्कूल (डी.ए.वी. स्कूल), गुरुकूल कांगड़ी विश्वविद्यालय. दारुल उलूम, रवीन्द्रनाथ टैगोर: शिक्षा दर्शन तथा प्रयोग—शिक्षा दर्शन, श्रीनिकेतन, शान्ति निकेतन, गाँधीजी: शिक्षा दर्शन तथा नई

तालीम—गाँधीजी का शिक्षा दर्शन, गाँधीजी की बुनियादी शिक्षा योजना (वर्धा शिक्षा योजना), बुनियादी शिक्षा का विकास (1937-47), आजाद भारत में बुनियादी शिक्षा, गाँधी-टैगोर शिक्षा संवाद—मातृभाषा में शिक्षण और अंग्रेजी की भूमिका, परीक्षोन्मुख शिक्षा बनाम प्रकृति से शिक्षण, उत्पादक कार्य एवं शिक्षण, संगीत और संस्कृति।

भाषा, संज्ञान और समाज : पाठ्यचर्या के सन्दर्भों में

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

कुल अंक—50, अतिरिक्त मूल्यांकन—15, बाह्य मूल्यांकन—35, कालांश—80

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. भाषा, समाज और सत्ता **अंक-20**

भाषा और अस्मिता में सम्बन्ध, भाषा और जेंड़र—समाज में जेंडर, व्याकरण में जेंड़र, भाषा और क्षेत्र, भाषा और वर्ग, भाषा और धर्म—भाषायी विविधता और धर्म, धर्म के कारण भाषायी भण्ड़ार में वृद्धि, लोकोक्तियों और मुहावरों का निर्माण तथा धर्म, भाषा, धर्म एवं जाति, भाषा और लिपि—लिपि, लिपि और भाषा में सम्बन्ध एवं अन्तर, ध्वनि संकेत एवं लिपि संकेत में सम्बन्ध, क्या भाषा और लिपि में सम्बन्ध अलंघनीय है, भाषा और लिपि में सम्बन्ध अनिवार्य अथवा मानवीय।

इकाई 2. भाषा की प्रकृति और स्वरूप **अंक-10**

भाषा: प्रतीकों की वाचिक व्यवस्था के रूप में, भाषा: नियम संचालित व्यवस्था के रूप में—ध्वनि संरचना, शब्द संरचन ा, वाक्य संरचना, संवाद संरचना, माध्यम तथा विषय के रूप में भाषाएँ—भाषा: विषय के रूप में, भाषा: माध्यम के रूप में, अवधारणाओं की समझ, तकनीकी, शब्दावली और बच्चे की समझ, भाषा का औपचारिक तथा अनौपचारिक स्थितियों में उपयोग—भाषा की औपचारिक तथा अनौपचारिक स्थिति, लिखित एवं मौखिक भाषा में अन्तर्सम्बन्ध एवं अन्तर—मौखिक भाषा, लिखित भाषा, मौखिक भाषा तथा लिखित भाषा में अंतर।

इकाई 3. भाषा और बहुभाविकता **अंक-5**

समाज में बहुभाषिकता, बहुभाषिता सीखने-सिखाने के क्रम में।

हिन्दी भाषा शिक्षण और प्रवीणता

पंचम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, अतिरिक्त मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश—140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. हिन्दी भाषा : क्षेत्रीय एवं ऐतिहासिक विविधता **अंक-5**

1. हिन्दी भाषा का विकास, उत्पत्ति एवं विभिन्न रूप—भाषा का उद्‌भव, हिन्दी भाषा का उद्‌भव, हिन्दी भाषा का शाब्दिक अर्थ, हिन्दी भाषा के विविध रूप, हिन्दी भाषा का विकास।
2. मानकीकरण की प्रक्रिया—मानकीकरण की आवश्यकता, मानकीकरण की प्रक्रिया, हिन्दी भाषा के संदर्भ में मानकीकरण के प्रयास, मानकीकरण के पहलू, हिन्दी भाषा: मानकीकरण के रूप, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय।
3. राजस्थानी भाषा—हिन्दी भाषा एवं उपभाषाएँ, राजस्थानी भाषा का परिचय, प्रश्न।

इकाई 2. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के उद्देश्य और आकलन **अंक-5**

1. हिन्दी भाषा शिक्षण का महत्त्व—सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता में सहायक, शिक्षा प्राप्ति का मुख्य आधार, प्रश्न।
2. भाषा शिक्षण के उद्देश्य—भाषा शिक्षण संकेतक कक्षा 1 व 2 भाषा शिक्षण संकेतक कक्षा 3 से 5 भाषा कौशल विकास-गतिविधियाँ, प्रश्न।
3. आकलन—आकलन कक्षा 1 व 2, आकलन कक्षा 3 से 5, आकलन प्रक्रिया, प्रश्न।

इकाई 3. मौखिक अभिव्यक्ति **अंक-10**

1. मौखिक अभिव्यक्ति के सैद्धान्तिक पक्ष—बच्चों में मौखिक अभिव्यक्ति व उसके विकास के विभिन्न चरण एवं आयाम (घर, बाहरी परिवेश तथा विद्यालय में मौखिक अभिव्यक्ति), मौखिक अभिव्यक्ति के विभिन्न पहलू, विभिन्न प्रकार की ध्वनियाँ, अर्थ पक्ष का विकास (शब्द शक्ति)
2. विद्यार्थी-शिक्षक की मौखिक क्षमताओं का विकास—स्पष्ट निर्देश देने की क्षमता, अवधारणाओं को मौखिक रूप से समझाना, अपने विचारों को विभिन्न सन्दर्भों में प्रभावी ढंग से विविध रूपों में अभिव्यक्त करने की क्षमता, अपने विचारों को विविध प्रकार के समूहों के सामने प्रस्तुत करने की क्षमता, देखी, सुनी व पढ़ी हुई सामग्री को समालोचनात्मक रूप से संक्षिप्त व विस्तृत रूप में अभिव्यक्त करना।
3. विद्यार्थी-शिक्षक में बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करने की क्षमता विकसित करना—बच्चों के साथ शब्दों एवं ध्वनियों से खेलते हुए सार्थक अभिव्यक्ति की ओर ले जाना, बच्चों में अपने विचारों को बेहिचक, स्पष्ट व स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकने की क्षमता।
4. मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन एवं मूल्यांकन—आकलन के तरीके।

इकाई 4. पढ़ना सीखना **अंक-12**

1. पढ़ना सीखना : सैद्धान्तिक पक्ष—पढ़ना क्या है? पढ़ने-सीखने के विभिन्न उपागम बच्चों द्वारा पढ़ना सीखने के चरण (पठन पूर्व स्थिति, पठन का प्रारम्भिक चरण, संक्रमण काल, द्रुत गति से पठन)

2. विद्यार्थी-शिक्षक का पढ़कर समझने के कौशल का विकास—वाचन और अर्थ ग्रहण, रचनात्मक साहित्य का पठन (गद्य साहित्य, काव्य, नाट्य साहित्य आदि) विभिन्न विषयों का पठन और अध्ययन, विद्यालय स्तर की सामग्री का पठन, पाठ्यपुस्तकें एवं बाल साहित्य, सन्दर्भ ग्रन्थों का अवलोकन।
3. बच्चों में पढ़ने के कौशल के विकास के लिए गतिविधियाँ—बच्चों में पढ़ने के कौशल का विकास, स्वाध्याय की प्रवृत्ति, बाल साहित्य चयन एवं उपयोग।
4. आकलन एवं मूल्यांकन—आकलन के तरीके, मूल्यांकन की प्रविधियाँ।

इकाई 5. लिखना सीखना **अंक-12**

1. लिखने के कौशल की सैद्धान्तिक समझ—लिखित एवं मौखिक अभिव्यक्ति में अंतर, लेखन के विकास के विभिन्न चरण: लेखन पूर्व शुरूआती लेखन, लिखने की दहलीज तथा उचित गति के साथ लिखना।
2. लेखन के विभिन्न पहलू—आकृति, ध्वनि, अर्थ सम्बन्ध, लेखन आरम्भ करने की योग्यता, शब्द, वाक्य, विराम चिह्न आदि के प्रयोग पर अधिकार, रचना लेखन: कहानी, कविता, संस्मरण।
3. विद्यार्थी-शिक्षकों की लिखित क्षमता का विकास—लिखित अभिव्यक्ति करना, ब्लैकबोर्ड या श्यामपट्ट लिखने के कौशल का विकास, लिखित अभिव्यक्ति में विचारों की क्रमबद्धता, सुने हुए विचारों को संक्षिप्त व विस्तृत ढंग से लिखना।
4. बच्चों के लेखन कौशल का विकास—बच्चों में शुरुआती लेखन विकसित करने के लिए गतिविधियाँ कराने के तरीकों पर समझ बनाना, बच्चों में स्पष्ट लेखन क्षमता का विकास करना, प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखना, बच्चों द्वारा अनुभवों को लिखित अभिव्यक्ति देना, कविता या कहानी नवीन रूप से सृजित करना, बच्चों द्वारा देखी, पढ़ी या सुनी सामग्री को संक्षेप एवं विस्तार से अपने शब्दों में लिखना, तार्किक चिन्तन के आधार पर अपनी बात लिखना एवं सरल रचनाएँ करना, लेखन में चर्चा और बातचीत की भूमिका, कल्पना के आधार पर गीत, कविता, कहानी, चुटकुले आदि लिखना।
5. मूल्यांकन एवं आकलन।

इकाई 6. साहित्य का पहलू **अंक-8**

1. साहित्य की विधाएँ : तत्त्व एवं रूप—साहित्य का स्वरूप व विधागत भेद, कहानी, कविता, निबन्ध, नाटक, एकांकी, आलेख, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, समाचार लेखन।
2. बाल साहित्य—बाल साहित्य का अर्थ, बाल साहित्य की विशेषताएँ।
3. भाषा के विकास में बाल साहित्य की भूमिका—बाल साहित्य का बच्चों पर प्रभाव, कक्षा में बाल साहित्य का चयन व प्रस्तुतीकरण।

इकाई 7. भाषा की संरचना 11

1. वाक्य संरचना—परिभाषा, वाक्यों के प्रकार, उपवाक्य, त्रुटियाँ, निदान एवं उपचार, प्रश्न। अंक-8
2. शब्द-रचना—शब्द, अर्थ सम्बन्ध, प्रकार, पद, त्रुटियाँ, निदान व उपचार, प्रश्न।
3. ध्वनि और वर्ण—ध्वनि की परिभाषा, प्रकार, विराम चिह्न, त्रुटियाँ, निदान व उपचार, प्रश्न।

PEDAGOGY OF ENGLISH LANGUAGE

(SIXTH PAPER)

PART – A External Marks-5 Internal-30

Maximum Marks: 100, Internal : 40, External : 60,
Studetns Contact Periods : 140

Unit of Study –

Unit 1 : Listening And Speaking

1. Listening with comprehension.
2. Organising listening and speaking activities (rhymes, songs, role play, dramatisation etc.)

Unit 2 : Reading Comprehension

1. Enhancing reading comprehension
2. Differentiating types of texts –
   - Descriptive passages,
   - Narrative passages,
   - Expository passages,
   - Argumentative Passages,
3. Local and global comprehension –
   - Local comprehension,
   - Global comprehension

Unit 3 : Enhancing Writing Abilities

1. Enhancing writing abilities
   (i) Identifying a topic sentence
   (ii) Arranging sentences in a logical order
   (iii) Usage of linking words and phrases
2. Different forms of writing – Letters (personal, invitation, application, complaint and permission), Messages, Noices, Posters.

Unit 4 : Enhancing Overall Personal Proficiency

1. Enhancing overall proficiency
   (i) Word categorisation; Word meaning/word meanings in different contexts

(ii) Formation of simple sentences
(iii) Understanding main points of clear standard input on familiar matters regularly encountered in work, school, leisure etc.
(iv) Dealing with most situations likely to arise whilst travelling in an area where the language is spoken.
(v) Producing Simple connected text on topics, which are familiar or of personal interest.
(vi) Describing experiences and events, dreams, hopes and ambitions giving reasons and explanations for opinions and plans.

PART—B

Unit 1 : English Language in India

Themes and concepts—

1. A historical view, nature and present context of English as a Second Language in India (ESL)
2. The multi-lingual nature of India : Issues of learning English in a multi-lingual/multi-cultural society.
3. The existing status of English language teaching in India.
4. NCF 2005 and the teaching of English.
5. NCERT position paper on teaching english.

Unit 2 : Structure of English Language

1. Functions of language
2. Rules of Sound Level—

(i) Basic Sound Patterns
(ii) Basic Sound-letter relationship
(e.g. cat/path/mate ; call/cell)
(iii) Monothong vowel sound patterns
(e.g. pen, pan, pin, pun)
(iv) Consonant clusters (e.g. tr, cl, st, str)
(v) Comparison with sound patterns in Hindi.
(vi) Difference between vowel letters and vowel sounds; consonant letters and consonant sounds.

3. Expression—

(i) Gesticulation and facial expression to convey meaning.
(ii) Oral-expression while reciting and reading to make meaning.
(iii) Written expression, phrases ; descriptors.

4. Teaching Grammar to Children—

(i) Theories connected to grammar teaching-learning.

(ii) Simple sentence construction.

(iii) Basic language / grammar aspects : Naming words and types of nouns ; Doing words ; Simple present and past/present and past continuous verb forms ; Verbs expressing future (will/be going to) ; Auxiliaries; Describing words (adjectives) ; Articles ; Connectors (and, or, but) ; Possessive forms of pronouns (my, you, his/her), this, that, these, those as determiners and it and there as empty subjects ; Question words (who, what, whem, which, etc) ; Punctuation marks (full stop, comma, question mark)

(iv) Grammer teaching strategies (activities/tasks/games)

5. Basic of handwriting

(i) Pre-writing patterns/letter sizing.

(ii) Preparing and presenting five activites for three different stages.

Unit 3 : Teaching Strategies and Skills

1. Listening to children's voices: how to encourage children to learn a new language.
2. Role of a teacher in an English language class.
3. Understanding the concerns with regard the education of children with special needs.
4. Materials and activities to facilitate learning:

(a) **Listening**—How we comprehend spoken language ; Suggested strategies and activites ; Examples of types of poetry used in the different primary classes, their conduct, purpost

(b) **Speaking**—Seeking children's talk as valuable ; Reducing the teacher's talk-time in the classroom and free articulation : Story-telling, Talk on given theme for 2 minutes (individual), Simple instructions (Sit down, Come here. May I have my book, please?) and formulaic usage (This is my book. What is the time? I get up early in the morning.), Conversation—dialogue (pair and group); Using pair-work and group-wotk meaningfully to encourage speaking and participation

(c) **Reading**—Early literacy and whole-language development; Understanding stages of reading development ; Purposes or reading ; Kinds of texts and genres : why and how they help

(d) **Writing**—Picture composition, narration and description ; The relationship between observation, thoughts and writing ; Elements of writing; Types of writing forms ; Observation and discussion on problems of getting children to writes ; Report on possible solutions to getting children to write

5. Some integrated activities for the classroom : Poems/rhymes, songs, charts, story-telling, role play, word walls, teaching pronuciation, rhythm, stress and intonation, reading.

Unit 4 : Planning and Materials Development

1. Integrting the teaching of English with other subjects.
2. Understanding and analysing the syllabus guidelines for Rajasthan Primary level.
3. Need of a teaching plan.
4. Preparation of low-cost teaching aids.
5. Using the classroom as a resource.

Unit 5 : Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE)

1. Meaning and Purpose of CCE
2. Tools and techniques of CCE : Portfolios ; Anecdotal records; Checklists; Rating scales; Observation; Assignments ; Projects.
3. Assessing language skills :
   (i) Assessing listening
   (ii) Assessing speaking
   (iii) Assessing reading
   (iv) Assessing writing
4. Assessing handwriting and spelling development
5. Attitude towards errors and mistakes.

गणित शिक्षण

सप्तम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, अतिरिक्त मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश—140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. गणित की प्रकृति, इतिहास तथा संस्कृति पर समीक्षात्मक अवलोकन **अंक-8**

(I) संख्या पद्धतियाँ तथा गणना करने के तरीके—गणित के विकास क्रम का ऐतिहासिक तथा समकालीन परिप्रेक्ष्य, दुनिया के अलग अलग हिस्सों में विकसित हुई संख्या पद्धतियाँ तथा संख्या-ज्ञान (मिश्र, रोम, माया, हिन्दू-अरबी संख्या पद्धति)।

(II) गणितीय ज्ञान निर्माण की विविध परम्पराएँ—गणित क्या हैं?, गणितीय ज्ञान की रचना क्या गणितीय ज्ञान अनोखा होता है? विद्यालयी गणित की प्रकृति एवं स्वरूप।

(III) दैनिक जीवन में गणित—आम लोगों का गणित, गणितज्ञों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला गणित, गणितज्ञों एवं आम लोगों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले गणित के तरीकों में अन्तर, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में गणित।

(IV) **विद्यालय में प्रयोग लिया जाने वाला** गणित—संख्या संक्रियाएँ, गणित की व्यापकता एवं बहुलता।

इकाई 2. गणित सीखना–सिखाना, शिक्षण सिद्धान्त तथा शिक्षण विधियाँ **अंक-12**

(I) **गणित सीखने के विभिन्न सिद्धान्तों से परिचय**—शिक्षण सिद्धान्त–बच्चों के गणित सीखने के संदर्भों पर आधारित।

(II) **गणित शिक्षण की विधियाँ**—विश्लेषण एवं संश्लेषण विधि, आगमन व निगमन विधि, खेल विधि, समस्या समाधान विधि।

(III) व्यवहारवाद **से रचनावाद तथा सामाजिक रचनावाद**—गणित सीखने का व्यवहारवादी नजरिया, गणित शिक्षण में रचनावादी नजरिये, पियाजे का संख्यात्मक अवधारणा सीखने का सिद्धान्त।

(IV) **गणित सीखने-सिखाने के तरीकों पर हुए कार्यों से** परिचय—गणित शिक्षण की दिशा में हुए नये प्रयास, आर.एम.ई (Realistic approach to Mathematics Education) से परिचय।

(V) **गलतियों का विश्लेषण**—प्राथमिक कक्षाओं में गणित शिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकरणों में आने वाली प्रमुख समस्याएँ तथा उनके कारण, सवालों को हल करने के दौरान बच्चों द्वारा की जाने वाली आम गलतियाँ तथा इनके कारणों का विश्लेषण।

इकाई 3. विषय-वस्तु आधारित ज्ञान **अंक-25**

(I) **संस्कार और मानक विधियाँ**—गिनना तथा गिनने में बच्चों को आने वाली कठिनाइयाँ, संख्याएँ क्रमसूचक (Ordinality) तथा मात्रासूचक (Cardinality) के रूप में और संख्या रेखा, विस्तारित रूप और स्थानीय मान, सवाल हल करने के बच्चों के अपने तरीके, संख्याओं से सम्बन्धी आधारभूत संक्रियाएँ, जोड़ और बाकी के अलग-अलग अर्थ, जोड़-बाकी के सवालों को हल करने में उपयोग में ली जाने वाली विधियों की समीक्षा, संख्याओं से सम्बन्धी आधारभूत संक्रियाएँ, गुणा और भाग के अलग-अलग अर्थ, गुणा पर आधारित सवाल हल करने के लिए उपयोग में ली जाने वाली विधियों की समीक्षा, भाग पर आधारित सवाल हल करने में उपयोग में ली जाने वाली विधियों की समीक्षा, लघुतम समापर्तक और महत्तम समापर्तक।

(II) **भिन्न, दशमलव और प्रतिशत**—भिन्न की अवधारणा का परिचय, भिन्न की अवधारणा के विभिन्न संदर्भ, भिन्न के अलग-अलग रूप, भिन्न की अवधारणा सीखने और सिखाने में आने वाली मुश्किलें और उनके कारण, भिन्न और संख्या रेखा, भिन्न तथा दशमलव संख्याओं में समानता एवं अन्तर, प्रतिशत की अवधारणा।

(III) **मापन और समय-सारणी**—मापन की प्रक्रिया तथा इकाईकृत करने का विचार, धारिता एवं आयतन, भार मापन, क्षेत्रफल, समय-सारणी विद्यालय, विद्यालय गतिविधियों की समय-सारणी।

(IV) कोण और आकार, बनावट तथा स्थानिक समझ—कोण की अवधारणा, कोण के प्रकार और कोण की रचना, स्थानिक समझ तथा इससे सम्बन्धित अवधारणाएँ।

(V) आँकड़ों का प्रबन्धन और पैटर्न—आँकड़े, आँकड़ों के प्रकार तथा उनका संग्रहण, आँकड़ों का सारणीयन, आँकड़ों का प्रदर्शन, पैटर्न की अवधारणा और प्रकार, पैटर्न को पहचानना तथा उसे आगे बढ़ाना।

इकाई 4. गणित शिक्षण सबके लिए **अंक-5**

(I) गणित सबके लिए—जेण्डर और गणित शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्ग और गणित शिक्षा, पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी एवं गणित शिक्षा।

(II) गणित शिक्षक की भूमिका तथा महत्त्व

(III) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के संदर्भ में गणित शिक्षण

(IV) विद्यालय से वंचित बच्चों के संदर्भ में गणित शिक्षण

इकाई 5. पाठ्यचर्य तथा मूल्यांकन **अंक-10**

(I) गणित शिक्षण के लक्ष्य तथा उद्देश्य—एन.सी.एफ. 2005 तथा गणित का आधार पत्र तथा आर.टी.ई. 2009 के परिप्रेक्ष्य में गणित शिक्षण के लक्ष्य तथा उद्देश्य।

(II) प्राथमिक कक्षाओं हेतु गणित पाठ्यचर्या के महत्त्वपूर्ण तत्त्व—प्राथमिक कक्षाओं में गणित शिक्षण हेतु पाठ्यचर्या तथा इसके तत्त्व

(III) मूल्यांकन—मूल्यांकन के उद्देश्य, बच्चों के सीखने की प्रक्रियाओं का मूल्यांकन–उद्देश्य तथा तरीके, प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले गणित के संदर्भ में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन।

पर्यावरण अध्ययन शिक्षण

अष्टम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, अतिरिक्त मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति **अंक-10**

पर्यावरण—भौतिक, जैविक, सामाजिक, सांस्कृतिक, परिवेश का आपसी ताना-बाना—विभिन्न पर्यावरण का आपसी ताना-बाना, पर्यावरण अध्ययन: एक विषय के रूप में, पर्यावरण सम्बन्धी समसामयिक मुद्दे यथा पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन आदि, पर्यावरण अध्ययन पर विभिन्न दृष्टिकोण, अध्ययन और उपलब्ध सामग्री—पर्यावरण अध्ययन और उपलब्ध सामग्री, पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तकों में अपनाई गई सोच—पाठ्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ, पाठ्यक्रम का प्रारुप, पाठ्यपुस्तकों में अपनाई गई सोच।

इकाई 2. पर्यावरण अध्ययन की विषय-वस्तु एवं शिक्षण विधियाँ अंक-20

परिवार, मित्र और आस-पास का वातावरण—परिवार एवं समाज में भूमिकाओं का बँटवारा, श्रम की गरिमा, जैव विविधता के सरोकार—ऋतुएँ और जैव विविधता—एक सर्वे व चर्चा, स्वास्थ्य और जैव विविधता, जैव विविधता का संरक्षण, संरक्षित क्षेत्र, सांस्कृतिक विविधता, संवेदनशीलता एवं समानुभूति, आँकड़े इकट्ठे करना और उनका विश्लेषण, सूर्य-चन्द्रमा, भोजन—भोजन में विविधता, भोजन के विभिन्न स्त्रोत, उत्पादन, वितरण और संरक्षण, संतुलित भोजन, भोजन सम्बन्धी आदतें व अभावजन्य रोग, ईंधन, आवास, विभिन्न आवासों की समझ, नक्शा बनाना एवं नक्शा पढ़ना, अपशिष्ट व उसका प्रबन्धन, जल—जल स्त्रोतों के उपयोग, जल भरने में लिंग आधारित भूमिका व सामाजिक भेदभाव, शुद्ध जल एवं अशुद्ध जल—जल अशुद्ध क्यों हो जाता है? अशुद्ध जल से होने वाली बीमारियाँ, वर्षा—क्या आप बादल बना सकते हैं? तैरना-डूबना, घुलना, जल प्रबन्धन, यात्रा—यात्रा के कारण, यातायात के साधन, सड़क संकेतों की पहचान, धरोहरों का संरक्षण में स्वयं की भूमिका, अंतरिक्ष यात्रा, कुछ करना और बनाना।

खण्ड—1. खिलौने बनाना, खिलौनों के प्रकार, रँगाई-छपाई, बरतनों के प्रकार

मिट्टी के खिलौने बनाना, खिलौनों के प्रकार, रँगाई-छपाई, बरतनों के प्रकार

खण्ड—2. खेती व पशुपालन

खेती से सम्बन्धित क्रिया-कलाप—खेती कैसे की जाती है, खेती के कार्य में आने वाले औजार/उपकरण, खेत में पानी कैसे-कैसे, कृषि से सम्बन्धित कुछ समस्याएँ, पशुपालन, राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्रों में खेती और पशुपालन की विशेषताएँ।

इकाई 3. बच्चों के अनुभव, उनके सवाल एवं पूर्व समझ अंक-10

बच्चों के सवाल और उनका महत्त्व, बच्चों के अनुभवों का दायरा, बच्चों के सवालों के उत्तर कैसे दें, बच्चों के सवाल—ई-ग्रुप, ब्लॉग, शब्दकोश, इंटरनेट जैसे संसाधनों का उपयोग, बच्चों के विचार, अलग-अलग अवधारणाओं के बारे में तर्क, बच्चों के विचारों व ठोस उदाहरणों की सहायता से सीखने-सिखाने को पियाजे और वायगोत्सकी के परिप्रेक्ष्य में समझना, रचनावादी सिद्धान्त क्या है? पियाजे और उनका बाल विकास का मॉडल, वायगोत्सकी और सामाजिक रचनावाद, अवधारणाओं पर बच्चों के वैकल्पिक विचार और इससे सम्बन्धित शोध, बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाओं पर वायगोत्सकी के विचार, बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाओं पर रोजलिंड ड्राइवर का काम, बच्चों की खगोलीय अवधारणाओं पर भारत में हुए शोध, बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाएँ और शिक्षक की भूमिका।

इकाई 4. अधिगम योजना निर्माण एवं गतिविधि संचालन अंक-10

अधिगम योजना निर्माण, अधिगम निर्माण योजना और गतिविधि संचालन के उदाहरण, कक्षा के भीतर अधिगम निर्माण गतिविधि संचालन के दौरान चर्चा एवं बातचीत, विविध सामाजिक समुदायों और संसाधनों का अधिगम निर्माण में उपयोग, समुदाय के संसाधन, खोज के विविध तरीके, सर्वे कार्य, प्रयोग करना, सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व, साक्षात्कार, गतिविधि संचालन एवं समय नियोजन, शिक्षण अधिगम हेतु योजनाएँ बनाना, अलग-अलग उम्र के बच्चों के विचार और तर्क, पुस्तकों का विश्लेषण: अलग-अलग आधारों पर, विविध पत्र-पत्रिकाओं का संसाधन के रूप में उपयोग।

इकाई 5. पर्यावरण अध्ययन में मूल्यांकन अंक-10

आकलन और मूल्यांकन, आकलन, मूल्यांकन, आकलन व मूल्यांकन में सम्बन्ध, मूल्यांकन के उद्देश्य, पर्यावरण अध्ययन में सीखने के सूचक, आकलन/मूल्यांकन की पद्धतियाँ, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, सतत एवं व्यापक आकलन पद्धति की विशेषताएँ, आकलन एवं मूल्यांकन के विभिन्न तरीके, पेपर-पेन्सिल टेस्ट, नक्शा बनाना, चित्र बनाना एवं पढ़ना, सर्वे, परियोजना (प्रोजेक्ट), कक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति व मूल्यांकन, बच्चों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्न, शिक्षक द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्न, अभिलेख रखने के तरीके, सह-शैक्षिक क्षेत्र, पोर्टफोलियो एक रिकॉर्ड की तरह, रिपोर्ट के तरीके, व्यक्तिगत सामाजिक गुणों का आकलन करना, नियमित रूप से बच्चों के साथ रिपोर्ट साझा करना, मासिक मीटिंग में अभिभावकों से रिपोर्ट साझा करना, प्रश्न पत्र का निर्माण, प्रश्न पत्र निर्माण के मुख्य चरण, प्रश्न पत्र का ब्लू-प्रिन्ट बनाना।

कला शिक्षा

नवम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—50, अतिरिक्त मूल्यांकन—20, बाह्य मूल्यांकन—30, कालांश —70

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. कला क्या है? अंक-5

कला की भूमिका, क्षेत्र एवं महत्त्व, संवेदना, अवलोकन एवं कल्पना, कला एवं संस्कृतिक, अन्य विषयों से कला-शिक्षा का सह-सम्बन्ध।

इकाई 2. कला शिक्षण–उद्देश्य और विधियाँ अंक-5

कला शिक्षण क्यों? कला शिक्षण कैसे? बच्चों में चित्र बनाने की सक्षमता का विकास।

इकाई 3. दृश्य कलाएँ **अंक-8**

द्विआयामी (चित्रात्मक)—रेखांकन, रंगाकन, कोलाज, छापांकन, राजस्थानी लोक कलाएँ, त्रिआयामी (तक्षणात्मक)—मृण् शिल्प, पेपरमेशी, अनुपयोगी सामग्री से सृजनात्मक रचना निर्माण, मुखौटे, कठपुतली।

इकाई 4. प्रदर्शनकारी कलाएँ **अंक-8**

(संगीत परिचय)—ध्वनि-स्वर, सप्तक, अलंकार, लय-ताल, वाद्य-तंतु, अवनद्ध, सुषिर, धन लोक संगीत, लोकगीत, लोकवाद्य, लोकनृत्य, नाटक और भारतीय समाज, नाटक क्यों? नाटकीकरण, न कि नाटक, नाटक करने की विभिन्न विधाएँ—मंचीय नाटक, नुक्कड़ नाटक, एकांकी, मूकाभिनय नाटक, एकाभिनय इंप्रोवाइजेशन (Improvisation) नाटक के अंश: मंचीय अंश, नेपथ्य अंश, पुतली: नाटक का माध्य, निर्माण प्रक्रिया, संचालन प्रक्रिया।

इकाई 5. भारतीय कला इतिहास परिचय **अंक-4**

चित्रकला का इतिहास, मूर्तिकला का इतिहास, स्थापत्य कला का इतिहास, संगीतकला का इतिहास, नाट्कला का इतिहास।

सूचना और सम्प्रेषण तकनीकी

दशम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—50, अतिरिक्त मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—20, कालांश —70

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. शैक्षिक तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-लर्निंग **अंक-4**

1. शैक्षिक तकनीकी का अर्थ, प्रकार एवं क्षेत्र।
2. सूचना तकनीकी तथा ई-लर्निंग की अवधारणा एवं शैक्षिक आवश्यकता।
3. शिक्षा में तकनीकी और शिक्षा की तकनीक।
4. कम्प्यूटर सहायता अधिगम (C.A.L) कम्प्यूटर सहायता अनुदेशन (C.A.I) एवं ऑनलाइन शिक्षा से अभिप्राय एवं वर्चुअल क्लास रूम।
5. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में शैक्षिक तकनीकी का उपयोग।

इकाई 2. विभिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का शिक्षा में उपयोग **अंक-5**

1. सम्प्रेषण की अवधारणा, प्रकार, आवश्यकता तथा सीमाएँ—सम्प्रेषण का चक्र, सम्प्रेषण के प्रकार, सम्प्रेषण की आवश्यकता, सम्प्रेषण के लाभ/गुण, सम्प्रेषण की सीमाएँ।
2. एडगर डेल्स के अनुभव शंकु—एडगर डेल के अनुभव शंकु के गुण।
3. विभिन्न सम्प्रेषण उपकरणों का शिक्षा में उपयोग।

4. शिक्षा में सम्प्रेषण उपकरणों एवं सहायक शिक्षण सामग्री का प्रभाव एवं उपयोग विधि—रेडियो, टेलीविजन, प्रदर्शन बोर्ड—श्वेत/श्यामपट्ट, लपेट फलक, लालेन बोर्ड, इन्टरेक्टिव बोर्ड, प्रोजेक्टेड सामग्री—ओवर हैड प्रोजेक्टर, विजुलाइजर/डॉक्यूमेंट कैमरा/डिजिटल कैमरा, मोबाइल, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर डेस्कटॉप/लेपटॉप/टेबलेट, टेप रिकॉर्डर/आल इन वन/सी.डी. प्लेयर।

ईकाई 3. वर्ड प्रोसेसिंग और डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम **अंक-7**

1. कम्प्यूटर का परिचय—कम्प्यूटर की कार्य पद्धति, कम्प्यूटर के गुण, कम्प्यूटर आरम्भ करने की प्रक्रिया।
2. ओपन सोर्स।
3. शब्द संसाधन (वर्ड-प्रोसेसिंग)—शब्द संसाधन के लाभ, वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज के उदाहरण, वर्ड प्रोसेसर की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ, शब्द संसाधन को इंस्टाल करना, शब्द संसाधन प्रारम्भ करना, शब्द संसाधन स्क्रीन के महत्त्वपूर्ण घटक, मुख्य मेनू (Main Menu) मुख्य मैनू विकल्प, ऑफिस बटन, होम मैन, इन्सर्ट टेब, पेज लेआउट मैनू, रिव्यु मैनू, व्यू मैनू।

   डाटा प्रोसेसिंग एण्ड मैकिंग वर्कशीट—ODT, एक्सेल को प्रारम्भ करना, एक्सेल विन्डो, ऑफिस बटन, वर्कबुक (Workbook) का निर्माण, वर्कबुक को सुरक्षित करना, वर्कबुक को खोलना, वर्कशीट का प्रिन्ट आउट निकालना, प्रिन्टिग का पूर्वावलोकन, वर्कशीट को प्रिन्ट करना, वर्कबुक को बंद करना, एक्सेल पर कार्य समाप्त करना, रिबन, होम मैनू, इन्सर्ट मैनू, पेज ले-आउट मैनू, फार्मूला मैनू, डाटा मैनू, रिव्यू मैनू।

इकाई 4. पॉवर पाइंट, इन्टरनेट, कम्प्यूटर का रख-रखाव एवं मल्टीमीडिया **अंक-4**

1. पॉवर पाइंट—पॉवर पाइन्ट विंडों को खोलना,पॉवर पॉइन्ट स्क्रीन के महत्त्वपूर्ण घटक, मुख्य मैनू विकल्प, होम मैनू, इन्सर्ट मैनू, एनीमेशन मैनू, रिव्यू मैनू, व्यू मैनू
2. मल्टीमीडिया, इन्टरनेट, ब्ल्यूटूथ, इन्टरनेट ब्राउजर, ईमेल आई.डी. का निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स, इन्साइक्लोपीडिआ (विश्वज्ञानकोश), कम्प्यूटर का रख-रखाव, साइबर क्राइम।

□□□